



CSIR IN MEDIA

A Daily News Bulletin

28th July, 2016, Page: 1

Indo-US workshop from July 28

CSIR-IICT

An Indo-US workshop on 'vulnerability assessment for weaponizable dual purpose chemicals' will be organised in the city on July 28-29. The workshop is being jointly organised by the Indian Institute of Chemical Technology (CSIR-IICT), Hyderabad in association with the Pacific Northwest National Laboratory (PNNL), Richland, WA, USA and the US Department of State's Chemical Security Programme, Washington DC, USA. Nearly 50 experts from India and USA will be attending the workshop.

The main focus of the workshop is to identify and adopt latest techniques and tools to evaluate the security vulnerability of chemical facilities containing dual purpose weaponizable chemicals which find industrial as well as weapon applications.

The workshop will be inaugurated by S Chandra Sekhar, Director, CSIR-IICT. McSharry, Political and Economic Officer, US Consulate General in Hyderabad will address the gathering. A three-member team from PNNL consisting of Clifford Glantz, Rob Siefken and Radha Kishan Motkuri will attend the conference as distinguished faculty. G V M Sharma, Chief Scientist, CSIR-IICT is coordinating the workshop.

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/hyderabad/Indo-US-workshop-from-July-28/articleshow/53425240.cms>

TNN | July 28, 2016

Rushikonda Beach closed for tourists

CSIR-NIO



Beach erosion will continue unabated under the influence of southwest monsoon till October, say experts

With coastal erosion continuing unabated in the city, the district administration has closed the Rushikonda Beach for tourists as a precautionary measure from Wednesday morning.

Even then some tourists were seen flocking the beach anxiously to witness the erosion. The marine police have made strict regulations banning people from going to the beach.

“The Vizag beach eroded in 2012 and last year as well. As the present south-west monsoon is active and vigorous, it is abetting the beach erosions by the frequent high tides. We have looked at the photos of erosion of the previous years. It will continue till October spreading to every area,” said VSN Murthy, the principal scientist in-charge of National Institute of Oceanography (NIO) regional centre in the city. He further said that the watch tower at Rushikonda Beach might be affected since it was constructed very close to the beach.

“Now there are long distance swells, bigger than the normal waves, which hit the beach. Other than Bay of Bengal, these waves are also travelling from Antarctica which carry a lot of energy,” he added.

Meanwhile, with the spurt in high tides eating into the bay areas, the flow of tourists is on a decline. The owners of the 100 and odd shops on the Rushikonda Beach are feeling the pinch, amid the fear that their livelihood would be at stake if they are shifted to some other place.

As the tourist count to Rushikonda is on the wane, the shop owners said that there was no place for them to let their hair down. The beach erosion which has affected the shopkeepers partially till now is now making them shut their business. Grapevines suggest that over 100 families who depend on the beach for livelihood would be shifted. “So far, we have not received any notice. We are told to move back,” said Nookamma, a vendor.

http://www.newindianexpress.com/states/andhra_pradesh/Rushikonda-Beach-closed-for-tourists/2016/07/28/article3550650.ece

Sri Lakshmi Muttevi | July 28, 2016

डाइबिटीज, हाई बीपी पर सीडीआरआई का जन जागृति कार्यक्रम

CSIR-CDRI



सीएसआईआर-सीडीआरआई अपने औषधि अनुसंधान के क्षेत्र में अपने योगदान के माध्यम से विज्ञान को समाज से जोड़ने के लिये मानव संसाधन विकास, स्किल डेवलपमेंट और युवाओं में विज्ञान एवं स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिये नियमित कार्य कर रहा है। छात्र राष्ट्र के भविष्य है इस को ध्यान में रखते हुए हम युवाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के विषय में शिक्षित करके समाज में परिवर्तन लानेका प्रयास कर रहे हैं जिससे वे “स्वस्थ भारत- सशक्त भारत“ मिशन के लिये महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकें।

इसी कड़ी में अपने सामाजिक दायित्वों के वहन हेतु एवं स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान के लिए सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसन्धान संस्थान, लखनऊ द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी बदलती जीवन शैली के कारण होने वाली बीमारी डाइबिटीज (मधुमेह) एवं उच्च रक्तचाप (बीपी) पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय, सिंहामऊ में दिनांक 26 जुलाई 2016, को एक स्वास्थ्य जन-जागृति अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। डॉ शरद शर्मा, डॉ अनिल गायकवाड़ डॉ अखिलेश ताम्रकार एवं डॉ संजीव यादव के नेतृत्व में सीडीआरआई की बारह सदस्यीय टीम स्वास्थ्य जन-जागृति कार्यक्रम के लिए सिंहामऊ पहुंची। डॉ गायकवाड़ एवं डॉ ताम्रकार ने डाइबिटीज के बारे में सभी को जागरूक करते हुए बताया कि डाइबिटीज (मधुमेह) क्या है ?

डाइबिटीज (मधुमेह) के लक्षण क्या हैं ? डाइबिटीज (मधुमेह) किसे हो सकता है? अधोमधुरक्तता क्या है? उच्च रक्त ग्लूकोज क्या है? बीएमआई क्या है? व्यायाम के क्या फायदे हैं? मोटापे एवं डाइबिटीज (मधुमेह) में भोजन कैसा हो? मोटापे एवं डाइबिटीज (मधुमेह) से कैसे बचें? कार्यक्रम में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 150 से लोगों सहित 250 लोगों ने हिस्सा लिया उन्हें बताया गया कि किस तरह से वे स्वयं अपनी शुगर एवं बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) की प्राथमिक जांच कैसे कर सकते हैं। प्राथमिक जांच में लगभग 15% प्रतिभागियों को उनके डायबिटिक होने की पहली बार जानकारी प्राप्त हुई। सभी को समय समय पर अपने निकट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकों से सलाह लेने एवं स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिए प्रेरित किया गया। छात्र-छात्राओं को स्वयं स्वस्थ रहने के साथ साथ अपने परिजनों के स्वास्थ्य के बारे में भी सचेत करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। उन्हें बताया कि किस तरह से वे स्वयं अपने स्वस्थ के प्रति सजग रहे एवं अपने परिजनों को भी इस हेतु जागरूक बनाएँ।

<https://www.instantkhabar.com/item/2016-07-27-cdri.html>

July 27, 2016

वैज्ञानिकों ने बताए मधुमेह से बचने के उपाय

जागरण संवाददाता, लखनऊ : ग्रामीण क्षेत्रों में बदलती जीवन शैली के कारण होने वाली बीमारी मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की समस्या बढ़ने लगी है। ऐसे में जरूरी है कि लोग इन बीमारियों के प्रति जागरूक हों।

केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए सिंहामऊ के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में एक स्वास्थ्य जन-जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। जन-जागृति कार्यक्रम की कड़ी में मधुमेह व उच्च रक्तचाप से बचने उपाय बताए। इसमें डॉ.शरद शर्मा, डॉ.अनिल गायकवाड़, डॉ.अखिलेश ताम्रकार एवं डॉ.संजीव यादव के नेतृत्व में सीडीआरआई की बारह सदस्यीय टीम ने लोगों को बीमारी के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लगभग 250 लोगों ने हिस्सा लिया। उन्हें बताया गया कि कैसे वह स्वयं अपनी शुगर एवं बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की प्राथमिक जांच कैसे कर सकते हैं। प्राथमिक जांच में लगभग 15 प्रतिभागियों को उनके डायबिटिक होने की जानकारी हुई। सभी को समय-समय पर अपने निकट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकों से सलाह लेने एवं स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिए प्रेरित किया गया।